ई-संदेश

5 जून, 2025 | अंक 156

सात दिन – सात पृष्ठ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी, 05 जून 2025 को लखनऊ में अपने सरकारी आवास पर 'एक पेड़ मां के नाम' पवित्र विल्व वृक्ष का पौधरोपण करते हुये।

- 15 लाख किसानों के निजी ट्यूबवेल के विद्युत कनेक्शन को निःशुल्क किया गया : मुख्यमंत्री
- प्रधानमंत्री जी ने विगत 11 वर्षों में देश में सुरक्षा और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त किया : मुख्यमंत्री
- इलाहाबाद उच्च न्यायालय में नवनिर्मित इन्फ्रास्ट्रक्चर एक मॉडल साबित होगा: मुख्यमंत्री
- आज का उ0प्र0 सांस्कृतिक विरासत का अद्भुत उदाहरण: मुख्यमंत्री
- बोधि यात्रा दक्षिण-पूर्व एशिया के 05 प्रमुख देशों के साथ भारत के सम्बन्धों को प्रगाढ़ करने का माध्यम : मुख्यमंत्री
- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी श्री अयोध्या धाम में श्री राम जन्मभूमि परिसर में राम दरबार एवं नवनिर्मित 6 मंदिरों में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।
- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर अयोध्या में वृक्षारोपण किया।
- मंत्रिपरिषद के महत्वपूर्ण निर्णय 03 जून, 2025

नए भारत का नया उत्तर प्रदेश

15 लाख किसानों के निजी ट्यूबवेल के विद्युत कनेक्शन को निःशुल्क किया गया : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में विगत 11 वर्षों में देश में खेती और किसानी के क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन हुए हैं। अन्नदाता किसानों को स्वॉयल हेल्थ कार्ड, किसान सम्मान निधि तथा एम0एस0पी0 का लाभ दिया जा रहा है। पहली बार किसानों को तकनीकी के साथ जोड़ा गया है। कृषि विज्ञान केन्द्र अन्नदाता किसानों को अच्छी किस्म के बीज और तकनीक देने के लिए एक सेतु के रुप में कार्य कर रहे हैं। कृषि विश्वविद्यालय के प्राध्यापक अपने कैम्पस से बाहर निकलकर किसानों के खेतों तक जाकर उन्हें नवीन जानकारी दे रहे हैं। विकसित कृषि संकल्प अभियान इसी श्रृंखला का एक हिस्सा है।

मुख्यमंत्री जी 29 मई, 2025 को लोकभवन में 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' का उत्तर प्रदेश में शुभारम्भ करने के उपरान्त कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने इस अभियान को प्रारम्भ किये जाने के लिए प्रधानमंत्री जी तथा केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के प्रति आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज से लेकर 12 जून तक यह अभियान संचालित होगा। इस अभियान के दौरान कृषि वैज्ञानिक स्थानीय क्लाइमेटिक जोन तथा भौगोलिक परिस्थितियों के अनुरुप उपयोगी बीजों, फसलों तथा बुआई के लिए उपयुक्त सही समय आदि के सम्बन्ध में किसानों को जानकारी देंगे। अन्नदाता किसानों को इस बात की जानकारी भी देंगे कि जल्दी तथा देर से बुआई का क्या असर पैदावार पर पड़ता है।प्रदेश में कृषि के क्षेत्र में अनन्त सम्भावनाएं हैं। प्रधानमंत्री जी के एजेण्डे में प्रारम्भ से ही शीर्ष पर किसान और कृषि है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में किसानों के लिए सिंचाई की सुविधा में बढ़ोत्तरी हुई है। लगभग 15 लाख किसानों के निजी ट्यूबवेल के विद्युत कनेक्शन को निःशुल्क किया गया है। राज्य सरकार प्रतिवर्ष इसके लिए लगभग ढाई हजार करोड़ रुपये का भुगतान करती है। सरयू नहर, बाणसागर तथा अर्जुन सहायक परियोजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करते हुए डबल इंजन सरकार ने प्रदेश में 23 लाख हेक्टेयर अतिरिक्त भूमि को सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराई है। सेण्टर ऑफ़ एक्सीलेंस बनाए गए हैं।प्रदेश में पहले चार कृषि विश्वविद्यालय थे। वर्तमान में पांचवा कृषि विश्वविद्यालय कुशीनगर जनपद में स्थापित होने जा रहा है। प्रदेश में कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से नई तकनीक और नए बीजों की जानकारी अन्नदाता किसानों को प्राप्त हो रही है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हमने बंद हो चुकी चीनी मिलों को चलाने के साथ ही, नई चीनी मिलों की स्थापना भी की। पुरानी चीनी मिलों के आधुनिकीकरण और विस्तारीकरण कार्यक्रम को भी आगे बढ़ाया गया। हमारे कृषि वैज्ञानिकों तथा किसानों के मध्य होने वाला संवाद देश में कृषि के क्षेत्र में एक नया मील का पत्थर साबित होने जा रहा है। यह कृषि के क्षेत्र में एक नई क्रान्ति की शुरुआत करने जा रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने विकसित भारत की परिकल्पना को देश के समक्ष रखा है। उत्तर प्रदेश ने प्रधानमंत्री जी के विजन को साकार करने के लिए अगले चार वर्षों में अपनी अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डॉलर बनाने की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। आज का कार्यक्रम इस दिशा में एक नया प्रयास है। यह कृषि क्षेत्र में आमूलचूल परिवर्तन लाने वाला साबित होगा। विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत 15 दिवसीय कार्यक्रम से उत्तर प्रदेश के सभी 89 कृषि विज्ञान केन्द्रों, 826 विकासखण्ड मुख्यालयों और 8,137 किसान कल्याण केन्द्रों को जोड़कर व्यापक कार्ययोजना बनाई गई है। इसके माध्यम से उत्तर प्रदेश के साथ ही, पूरे देश में कृषि के क्षेत्र में एक नया क्रान्तिकारी परिवर्तन हम सभी को देखने को मिलेगा। विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने में विकसित कृषि संकल्प अभियान निर्णायक भूमिका का निर्वहन करेगा।

प्रधानमंत्री जी ने विगत 11 वर्षों में देश में सुरक्षा और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त किया : मुख्यमंत्री

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने 30 मई, 2025 को चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर में लगभग 47,600 करोड़ रुपये लागत की 15 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी सम्मिलित हुए।

लोकार्पित परियोजनाओं में पनकी, जवाहरपुर, ओबरा-सी, खुर्जा तथा घाटमपुर तापीय परियोजना, बिठूर विधान सभा क्षेत्र में अग्निशमन केन्द्र के आवासीय/अनावासीय भवन, पनकी धाम क्षेत्र में 02 फ्लाईओवर, बिनगवां में 40 एम0एल0डी0 क्षमता का ट्रीटमेन्ट प्लाण्ट, जनपद गौतमबुद्धनगर में 132 के0वी0 के 02 विद्युत उपकेन्द्र शामिल है। शिलान्यास की गयी 03 परियोजनाओं में जनपद गौतमबुद्धनगर में 220 के0वी0 क्षमता के विद्युत उपकेन्द्र तथा कानपुर के गौरिया-पाली मार्ग व डिफेंस कॉरिडोर के अन्तर्गत प्रयागराज हाईवे स्थित नर्वल मोड़ से साढ़ होते हुए कानपुर डिफेंस नोड तक मार्ग के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य सम्मिलित हैं।

प्रधानमंत्री जी ने इस अवसर पर कहा कि उत्तर प्रदेश और कानपुर को विकास की नई ऊंचाई पर लेकर जाना डबल इंजन सरकार की पहली प्राथमिकता है। यह तभी होगा, जब यहाँ उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा और कानपुर का पुराना गौरव फिर से लौटेगा।

प्रधानमंत्री जी ने कहा कि कुछ ही दिनों में कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेस-वे से लखनऊ का सफर मात्र 40-45 मिनट में पूरा होने वाला है। लखनऊ से पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे से सीधे कनेक्टिविटी मिलेगी। कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेस-वे को गंगा एक्सप्रेस-वे से भी जोड़ा जाएगा। इससे पूर्व और पश्चिम, दोनों तरफ जाने के लिए दूरी और समय दोनों बचेगा। कानपुर के लोगों के लिए फर्रुखाबाद-अनवरगंज सेक्शन में सिंगल-लाइन से समस्या होती रही है। यहां कई रेलवे क्रॉसिंग थीं। अब यहां एक हजार करोड़ रुपये व्यय करके एलीवेटेड रेल कॉरिडोर बनने जा रहा है। इससे यहां ट्रैफिक सुधरेगा, स्पीड बढ़ेगी और प्रदूषण कम होगा तथा कानपुर के लोगों का समय भी बचेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने इस अवसर पर कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री जी ने विगत 11 वर्षों में देश में सुरक्षा और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त किया है। उसकी एक झलक कानपुर में एक साथ 47,600 करोड़ रुपये की परियोजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास के अवसर पर हम सभी को देखने को मिल रही है। आज प्रधानमंत्री जी द्वारा ऊर्जा, पब्लिक ट्रांसपोर्ट, जल प्रबन्धन और कनेक्टिविटी सहित जीवन के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी अनेक परियोजनाओं की सौगात दी गई है। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में यह परियोजनाएं कानपुर के माध्यम से उत्तर प्रदेश को विकसित भारत के ग्रोथ इंजन के रूप में विकसित करने की दिशा में एक नया कदम है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि इन परियोजनाओं में कानपुर में पब्लिक ट्रांसपोर्ट के लिए मेट्रो रेल के द्वितीय चरण के कार्यों का लोकार्पण शामिल है। प्रधानमंत्री जी ने दिसम्बर, 2021 में आई0आई0टी0 से मोती झील तक कानपुर मेट्रो के प्रथम चरण का उद्घाटन किया था। मुख्यमंत्री जी ने कानपुर को मेट्रो रेल की सौगात के लिए प्रधानमंत्री जी का आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में एक नए उदाहरण को प्रस्तुत कर रहा है। वर्ष 2017 के पहले जिस उत्तर प्रदेश में मात्र 15,000 मेगावॉट विद्युत उत्पादन होता था, प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन और नेतृत्व में आज उसी प्रदेश में विगत 08 वर्षों में लगभग 25,000 मेगावॉट विद्युत उत्पादन हो रहा है। इस वर्ष के अन्त तक लगभग 4,000 मेगावॉट की अतिरिक्त थर्मल पावर की उत्पादन क्षमता प्रदेश में विकसित होने जा रही है।आज एक साथ प्रधानमंत्री जी द्वारा कानपुर के पनकी व घाटमपुर, एटा के जवाहरपुर, सोनभद्र के ओबरा और बुलन्दशहर के खुर्जा में 05 थर्मल पावर प्लाण्ट का उद्घाटन हुआ है। यह सभी नये भारत के नये उत्तर प्रदेश की उस तस्वीर को प्रस्तुत करते हैं, जो प्रधानमंत्री जी के विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करेंगे।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय में नवनिर्मित इन्फ्रास्ट्रक्चर एक मॉडल साबित होगा: मुख्यमंत्री

भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री भूषण रामकृष्ण गवई ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के साथ 31 मई, 2025 को इलाहाबाद उच्च न्यायालय, प्रयागराज में अधिवक्ता चेम्बर हेतु नवनिर्मित भवन तथा मल्टीलेवल पार्किंग का उद्घाटन किया। उन्होंने भूतल पर स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया, हाई कोर्ट ब्रांच तथा पोस्ट ऑफिस इलाहाबाद हाईकोर्ट का उद्घाटन भी किया।

भारत के मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि उत्तर प्रदेश की भूमि प्रतिभाशाली लोगों से सम्बन्धित है। योगी आदित्यनाथ जी इस देश में सबसे कर्मठ और योग्य मुख्यमंत्री हैं। उत्तर प्रदेश का गरिमामयी इतिहास रहा है। स्वतंत्रता पूर्व तथा प्रिवी काउंसिल के समय अनेक प्रसिद्ध कानूनविद् उत्तर प्रदेश से सम्बन्धित थे।

भारत के मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि आज यहां अधिवक्ता चेम्बर तथा मल्टीलेवल पार्किंग का उद्घाटन किया जा रहा है। देश और दुनिया में अधिवक्ताओं की सुविधा के लिए इतनी बड़ी इमारत कहीं नहीं बनी है। कार्यपालिका व न्यायपालिका के समन्वय तथा फण्ड के बिना इस भवन का निर्माण असम्भव था। मुख्यमंत्री जी ने फण्ड उपलब्ध कराकर इस कार्य को सम्भव बनाया है। इस अवसंरचना के निर्माण से न्यायमूर्ति गण, अधिवक्तागण तथा वादकारियों के लिए भी उपयोगी साबित होगा। अधिवक्ता चेम्बर तथा मल्टीलेवल पार्किंग के साथ-साथ कैफेटेरिया की भी व्यवस्था की गई है। इसमें आधुनिक किचन तथा कॉन्फ्रेंस हॉल की सुविधा प्रदान की गई है। वर्ष 2017 में इलाहाबाद उच्च न्यायालय में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का आगमन हुआ था। उस समय उन्होंने कहा था कि रुल ऑफ लॉ सुशासन की पहली शर्त है। कानून के शासन में बार और बेंच के साथ-साथ वादकारी का भी महत्व होता है। अधिवक्तागण द्वारा कुशलतापूर्वक कार्य सम्पन्न करने के लिए अनुकूल परिस्थितियां तथा वातावरण अत्यन्त आवश्यक हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वह प्रदेश की अर्बन बॉडीज से बार-बार कहते हैं कि मल्टीलेवल पार्किंग तभी सफल होगी, जब आप उसकी कुछ जगह को कॉमर्शियल रूप से उपयोग करेंगे। जनपद गोरखपुर में मल्टीलेवल पार्किंग में कॉमर्शियल स्पेस देने की वजह से पूरा कॉम्प्लेक्स फुल होता हुआ दिखायी देता है। लोग मल्टीलेवल पार्किंग में अपने वाहन खड़े कर कॉम्प्लेक्स की सुविधाओं का आनन्द उठाते हैं। इलाहाबाद उच्च न्यायालय में नवनिर्मित इन्फ्रास्ट्रक्चर इससे भी अच्छी व्यवस्था प्रदान करता है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय का यह बेहतरीन इन्फ्रास्ट्रक्चर हमें इस बात के लिए आश्वस्त करता है कि न्याय की गति प्रदेश की प्रगति को तेजी से नये आयाम प्रदान करेगी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जनपदीय न्यायालयों में केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा अधिक से अधिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ अधिवक्ताओं की समस्याओं का समाधान करते हुए अधिवक्ता निधि की राशि डेढ़ लाख रुपये से बढ़ाकर पांच लाख रुपये कर दी गई है। आयु सीमा 60 वर्ष से बढ़ाकर 70 वर्ष कर दी गई है। इसके लिए 500 करोड़ रुपये का कॉपर्स फण्ड बनाया गया है। अधिवक्ता के साथ कोई दुर्घटना होने पर न्यासी समिति उसके परिवार को यह धनराशि तत्काल उपलब्ध करायेगी। नये अधिवक्ताओं को पहले तीन वर्ष तक जर्नल, मैग्जीन तथा अन्य पुस्तकों के लिए प्रदेश सरकार द्वारा सहायता उपलब्ध करायी जा रही है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि अधिवक्ता चेम्बर तथा मल्टीलेवल पार्किंग के एक्सटेंशन के लिए प्रदेश सरकार आवश्यक धनराशि उपलब्ध करायेगी। जिसके माध्यम से न्याय, ज्ञान तथा धर्म की इस धरा पर हम और बेहतर कार्य कर सकेंगे। प्रदेश के वादकारियों को समयबद्ध तरीके न्याय प्राप्त हो सकेगा।

आज का उ0प्र0 सांस्कृतिक विरासत का अद्भुत उदाहरण: मुख्यमंत्री

भारत के उप राष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ जी तथा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने पुण्यश्लोक लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर जन्म त्रिशताब्दी वर्ष स्मृति अभियान-2025 के अन्तर्गत 01 जून, 2025 को जनपद आगरा में आयोजित जनसभा को सम्बोधित किया। उन्होंने 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अन्तर्गत वृक्षारोपण किया और लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

उप राष्ट्रपति जी ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की जयन्ती सिर्फ विशेष तारीख या ऐतिहासिक घटना नहीं, बल्कि हम सबके लिए जीवन दर्शन है। आक्रांता औरंगजेब ने काशी विश्वनाथ पर कुठाराघात किया तो उसके 100 वर्ष बाद अहिल्याबाई होल्कर ने दूरदर्शिता दिखाते हुए काशी विश्वनाथ में मंदिर बनाया। वर्तमान परिदृश्य की चर्चा करते हुए उप राष्ट्रपति जी ने कहा कि काशी में जो चमत्कारी परिवर्तन आया है, उससे पूरा देश अभिभूत है। काशी के मनोरम घाटों का अवलोकन कर आनन्द की अनुभूति होती है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में यह कार्य मुख्यमंत्री जी ने किया है। मुख्यमंत्री जी ने जो कार्य किया है, उसे आने वाली पीढ़ियां सदियों तक याद रखेंगी।

उप राष्ट्रपति जी ने कहा कि मुख्यमंत्री जी दूरदर्शी हैं और काम करने में विश्वास रखते हैं। जो कार्य लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर ने किया, वही कार्य मुख्यमंत्री जी ने किया। उन्होंने उत्तर प्रदेश की काया पलट दी। काशी विश्वनाथ एवं अयोध्या के बाद मथुरा में भी कार्य होगा। आने वाली पीढ़ियां मुख्यमंत्री जी के कार्यों का उसी तरह स्मरण करेंगी, जैसे आज हम लोकमाता के कार्यों को याद करते हैं। विधि की रचना की तरह अहिल्याबाई की सोच मुख्यमंत्री जी में भी आ गई है। उत्तर प्रदेश की भूमि का सैन्य उत्पादन दुश्मन के कानों में गूंजता रहेगा। उपराष्ट्रपति जी ने कहा कि मुख्यमंत्री जी ने अपने शासनकाल में उत्तर प्रदेश की छवि को पूर्ण रुप से बदल दिया। आज उत्तर प्रदेश का मतलब सुशासन व कानून का राज है। बिना कानून के राज के विकास सम्भव नहीं है। उत्तर प्रदेश अब उत्तम प्रदेश हो गया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने अपने सम्बोधन में कहा कि जो समाज अपने राष्ट्र नायकों और राष्ट्र नायिकाओं के व्यक्तित्व और कृतित्व से प्रेरणा प्राप्त करते हुए अपनी भावी कार्ययोजना बनाता है, तो दुनिया की कोई भी ताकत उसके मार्ग में बाधा नहीं बन सकती है। लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर का विराट व्यक्तित्व और कृतित्व हम सभी के लिए प्रेरणादायी है। ब्रजभूमि आगरा की ऐतिहासिक धरती को भगवान बांके बिहारी और कृष्ण-कन्हैया का सान्निध्य प्राप्त हुआ था। आज इस पावन धरा पर भारत गणराज्य के के उप राष्ट्रपति जी का आगमन हुआ हुआ है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर ने उस कालखण्ड में महिला सशक्तिकरण, हस्तशिल्पियों और कारीगरों, अन्नदाता किसानों, युवा शक्ति, सुरक्षा और भारत की विरासत को बचाने के लिए जो भी कदम उठाए, वह अविस्मरणीय व अभिनंदनीय हैं।

लोक माता के कार्यों की एक लम्बी श्रृंखला है। उन्होंने 70 वर्षों का जीवन जिया था। उनका विराट व्यक्तित्व और कृतित्व आज हम सभी को नई प्रेरणा और प्रकाश प्रदान कर रहा है। इसी से प्रेरित होकर आज डबल इंजन सरकार प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में सभी योजनाओं को व्यवस्थित तरीके से आगे बढ़ाने का कार्य कर रही है। लखपति दीदी, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, मातृ वंदना योजना, फिट इण्डिया मूवमेन्ट, स्वास्थ्य व शिक्षा सहित आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए किए जाने वाले कार्य हों या श्री काशी विश्वनाथ धाम, अयोध्या में श्री रामलला के भव्य मन्दिर, महाकाल के महालोक का निर्माण, केदारनाथ और बद्रीनाथ धाम के पुनरुद्धार कार्य या सोमनाथ और रामेश्वरम के मन्दिरों में किए जाने वाले नए कार्य, यह सभी इसी श्रृंखला की अगली कड़ी है। यह सभी कार्य भारत को एक नई पहचान दिला रहे हैं।

बोधि यात्रा दक्षिण-पूर्व एशिया के 05 प्रमुख देशों के साथ भारत के सम्बन्धों को प्रगाढ़ करने का माध्यम : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 03 जून, 2025 को अपने सरकारी आवास पर बोधि यात्रा के अन्तर्गत मेकांग-गंगा सहयोग देशों के प्रतिनिधियों के साथ भेंट की। प्रतिनिधिमण्डल का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा कि यह बोधि यात्रा पर्यटन को बढ़ावा देने का साधन मात्र नहीं है, बल्कि यह दक्षिण-पूर्व एशिया के 05 प्रमुख देशों के साथ भारत के सम्बन्धों को प्रगाढ़ करने का भी माध्यम है। यह यात्रा भारत तथा मेकांग-गंगा सहयोग के सदस्य देशों के बीच स्वास्थ्य, शिक्षा सहित सांस्कृतिक सम्बन्धों को प्रगाढ़ करेगी। भगवान बुद्ध ने दुनिया को अहिंसा, मैत्री और करुणा का संदेश दिया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पूरी दुनिया में भगवान बुद्ध से जुड़े जितने भी स्थल हैं, उनमें सर्वाधिक भारत में हैं। भारत में भी भगवान बुद्ध से जुड़े सर्वाधिक स्थल उत्तर प्रदेश में हैं। प्रदेश में महात्मा बुद्ध से जुड़े सारनाथ, कुशीनगर, कपिलवस्तु, श्रावस्ती, संकिसा, कौशाम्बी सहित अन्य महत्वपूर्ण स्थल मौजूद हैं। देवदह, ललितपुर का देवगढ़, बरेली का अहिच्छत्र भी भगवान बुद्ध से जुड़े हैं। भगवान बुद्ध ने ज्ञान प्राप्त होने के बाद अपना पहला उपदेश सारनाथ में दिया था। कुशीनगर उनकी महापरिनिर्वाण स्थली तथा देवदह पावन जन्मस्थली है। कपिलवस्तु में उनका साम्राज्य था।

श्रावस्ती में उन्होंने अपने सर्वाधिक चातुर्मास व्यतीत किए थे। यह सभी स्थल आज भी देश व दुनिया के लिए प्रेरणा के केन्द्र बने हुए हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि महात्मा बुद्ध के उपदेशों को आगे बढ़ाने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने अनेक कार्य किए हैं। प्रदेश की राजधानी लखनऊ में बौद्ध विहार शान्ति उपवन है। यहां अन्तरराष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान भी है, जहां महात्मा बुद्ध की शिक्षाओं पर शोध किया जाता है। एन0सी0आर0 में गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय है। कुशीनगर में महात्मा बुद्ध के नाम पर राज्य सरकार द्वारा एक नया विश्वविद्यालय निर्माणाधीन है। कुशीनगर में ही महात्मा बुद्ध के नाम पर एक अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा संचालित है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 02 से 07 जून, 2025 के बीच बोधि यात्रा के माध्यम से दक्षिण-पूर्व एशिया के 05 प्रमुख देशों के प्रतिनिधि पवित्र गंगा और पवित्र मेकांग के सहयोग को आगे बढ़ाते हुए भगवान बुद्ध की पावन धरा उत्तर प्रदेश की यात्रा पर आए हैं। इनका आगमन आपसी सहयोग को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी श्री अयोध्या धाम में श्री राम जन्मभूमि परिसर में राम दरबार एवं नवनिर्मित 6 मंदिरों में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

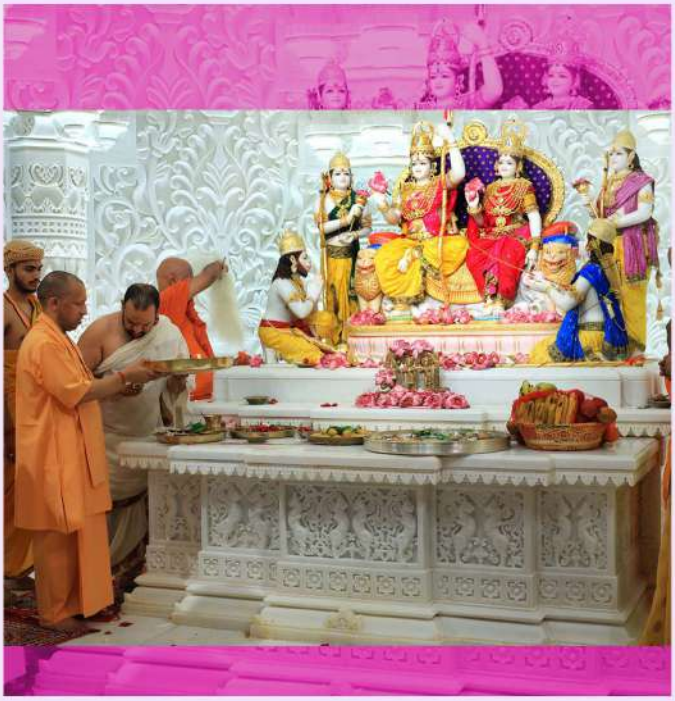

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर अयोध्या में वृक्षारोपण किया।

03 जून, 2025 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में संपन्न हुई कैबिनेट बैठक के प्रमुख निर्णय

» मंत्रिपरिषद ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अन्तर्गत अन्नपूर्णा भवनों के निर्माण सम्बन्धी प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की है। ज्ञातव्य है कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली को सुदृढ़ करने एवं राशन कार्ड धारकों को खाद्यान्न सुचारु रूप से उपलब्ध कराने हेतु मॉडल उचित दर दुकानों/अन्नपूर्णा भवनों का निर्माण कराया जा रहा है। इन भवनों के निर्माण में गति लाने हेतु राजकोषीय बचत से भी अन्नपूर्णा भवनों के निर्माण का निर्णय लिया गया है।

» मंत्रिपरिषद ने उत्तर प्रदेश होमस्टे एवं बेड एण्ड ब्रेकफास्ट (बी एण्ड बी) नीति, 2025 को जारी किए जाने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की है। यह नीति शासन द्वारा निर्गत शासनादेश की तिथि से प्रभावित होगी। यह नीति उ0प्र0 पर्यटन नीति-2022 में होमस्टे/बी एंड बी योजना में वर्णित व्यवस्थाओं तथा अन्य लाभों को उपलब्ध कराए जाने हेतु तैयार की गई है।

» मंत्रिपरिषद ने उत्तर प्रदेश पुलिस आरक्षी, पी0ए0सी0, आरक्षी घुड़सवार एवं फायरमैन की सीधी भर्ती में पूर्व अग्निवीरों को (04 साल की सेवा के पश्चात) भूतपूर्व सैनिक की तरह अग्निवीर के रूप में की गई सेवा अवधि को घटाते हुए, अधिकतम आयु सीमा में 03 वर्ष की छूट प्रदान करते हुए, 20 प्रतिशत पदों को आरक्षित किये जाने सम्बन्धी प्रस्ताव को अनुमोदित किया है। इस प्रकरण में अन्य किसी परिवर्तन, परिवर्धन अथवा संशोधन किये जाने हेतु मंत्रिपरिषद द्वारा मुख्यमंत्री जी को अधिकृत किया गया है।

सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश के लिए निदेशक श्री विशाल सिंह, आईएएस द्वारा प्रकाशित